1 पदबंध (Phrase)

कक्षा-IX में आपको 'शब्द और पद' के बारे में बताते हुए यह कहा गया था कि 'शब्द' की सत्ता वाक्य से बाहर होती है। अत: 'शब्द' भाषा की स्वतंत्र इकाई है और 'शब्द' जब वाक्य में आ जाता है तब उसे शब्द नहीं कहते, **'पद'** कहते हैं। वाक्य में प्रयुक्त शब्द को 'पद' इसलिए कहते हैं क्योंकि वाक्य में आकर यह वाक्य के नियमों में बँध जाता है तथा कोई-न-कोई **'प्रकार्य'** (function) करने लगता है। उदाहरण के लिए 'मीरा' और 'सुरेश' दोनों 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' शब्द हैं, पर वाक्य में वे क्या प्रकार्य करते हैं, इसके आधार पर उनके 'पद' का निर्धारण किया जाता है; जैसे–

1. **मीरा** ने **सुरेश** को किताब दी।
2. **सुरेश** ने **मीरा** को किताब दी।

वाक्य-1 में 'मीरा' संज्ञा 'कर्ता' का कार्य कर रही है तथा 'सुरेश' संज्ञा 'अप्रत्यक्ष कर्म' का जबकि वाक्य-2 में 'सुरेश' 'कर्ता' का कार्य कर रहा है और 'मीरा' 'अप्रत्यक्ष कर्म' का। अत: ध्यान रखिए, वाक्य में **'पद'** का महत्व उसके 'प्रकार्य' के कारण होता है।

पदबंध

'पदबंध' शब्द दो शब्दों– 'पद' तथा 'बंध' से मिलकर बना है। 'पद' का अर्थ आप समझ ही चुके हैं। 'बंध' शब्द का अर्थ है–'बँधा हुआ' या बंधन युक्त'। वास्तव में 'पदबंध' के अंतर्गत एक से अधिक पद एक साथ बँध कर या बंधन युक्त होकर आते हैं और वही प्रकार्य करते हैं जो प्रकार्य किसी एक पद द्वारा किया जा रहा था। इस बात को समझने के लिए निम्नलिखित वाक्यों पर ध्यान दीजिए–

1. **बच्चा** केला खा रहा है।
2. **शरारती बच्चा** केला खा रहा है।
3. **आपका शरारती बच्चा** केला खा रहा है।

वाक्य-1 में **'बच्चा'** संज्ञा पद है और 'कर्ता' का प्रकार्य कर रहा है। इसके स्थान पर हम **'शरारती बच्चा'** या **'आपका शरारती बच्चा'** भी रख सकते हैं क्योंकि एक से अधिक पदों का समूह भी वाक्य में वही 'प्रकार्य' (function) करता है, जो अकेला 'बच्चा' पद कर रहा था' (देखिए वाक्य-2 तथा वाक्य-3), ध्यान रखिए, किसी एक इकाई के स्थान पर किसी दूसरे का 'रिप्लेसमेंट' (replacement) तभी हो सकता है जब दोनों समान प्रकार्य कर रहे हों।

इसी तरह से ऊपर के वाक्यों में हम 'केला' पद के स्थान पर एक से अधिक पदों वाली रचना जैसे 'मीठा केला' या 'मीठा पका केला' को भी रख सकते हैं; जैसे–

4. बच्चा **पका केला** खा रहा है।

5. बच्चा **मीठा पका केला** खा रहा है।

इसका अर्थ यही है कि 'पका केला' तथा 'मीठा पका केला' भी वही प्रकार्य कर रहे हैं जो वाक्य-1 में 'केला' पद कर रहा था।

इस तरह आपने देखा कि कोई भी 'शब्द' वाक्य में आकर इसलिए 'पद' कहलाता है क्योंकि वह कोई-न-कोई प्रकार्य करता है। अब यदि वही प्रकार्य 'एक से अधिक पदों का समूह या बंध करता है तो उसे 'पदबंध' कहते हैं।

परिभाषा

पदों के उस बंध या समूह को 'पदबंध' कहते हैं, जो वाक्य में वही प्रकार्य करता है जो प्रकार्य किसी एक पद के द्वारा किया जा रहा था।

पदबंध : भेद-प्रभेद

वाक्य में मुख्य रूप से पाँच प्रकार के पदबंध आते हैं–

1. संज्ञा पदबंध
2. सर्वनाम पदबंध
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रियाविशेषण पदबंध

1. संज्ञा पदबंध

जो पदबंध वाक्य में 'संज्ञा' पद के स्थान पर आ सकते हैं, **'संज्ञा पदबंध'** कहे जाते हैं।

इसका अर्थ यही है कि 'संज्ञा पदबंध' वाक्य में वही प्रकार्य करता है, जो प्रकार्य किसी 'संज्ञा पद' के द्वारा किया जाता है। देखिए, निम्नलिखित उदाहरण–

रेखांकित पद–'संज्ञा पद'	रेखांकित पदबंध–'संज्ञा पदबंध'
1. मीरा अध्यापिका है।	1. मीरा हिंदी की अध्यापिका है।
2. लड़कियाँ चली गईं।	2. नृत्य करने वाली लड़कियाँ चली गईं।
3. मुझे ट्रेन से जाना है।	3. मुझे मुंबई वाली ट्रेन से जाना है।
4. मैंने किताबें बच्चों को दे दीं।	4. मैंने अपनी किताबें बच्चों को दे दीं।
5. पक्षी देर तक उड़ते रहे।	5. रंग-बिरंगे पक्षी देर तक उड़ते रहे।

आपने देखा कि 'संज्ञा पद' को 'संज्ञा पदबंध' बनाने का कार्य 'विशेषण पद/पदों' द्वारा ही किया जाता है।

2. सर्वनाम पदबंध

वाक्य के अंतर्गत जब एक से अधिक पद मिलकर सर्वनाम पद का कार्य करते हैं तो उन्हें **सर्वनाम पदबंध** कहते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि सर्वनाम पदबंध वाक्य में वही प्रकार्य करता है, जो प्रकार्य किसी सर्वनाम पद के द्वारा किया जाता है। देखिए, निम्नलिखित उदाहरण–

रेखांकित पद–'सर्वनाम पद'	रेखांकित पदबंध–'सर्वनाम पदबंध'
1. तुम आज चुप क्यों हो?	1. बहुत बोलने वाले तुम आज चुप क्यों हो?
2. मैं असफल नहीं हो सकता।	2. लगन से काम करने वाला मैं असफल नहीं हो सकता।
3. हमने बहुत सी अच्छी-अच्छी बातें सीखीं।	3. मेले में घूमते हुए हमने बहुत-सी अच्छी-अच्छी बातें सीखीं।

आपने देखा कि संज्ञा पदबंध की तरह 'सर्वनाम पद' को 'सर्वनाम पदबंध' बनाने का कार्य भी विशेषण पद/पदबंधों द्वारा ही किया जाता है।

शिक्षण निर्देश: संरचना एवं प्रकार्य की दृष्टि से संज्ञा पदबंध एवं सर्वनाम पदबंध समान होते हैं। अधिकतर व्याकरणाचार्य भी आधुनिक भाषा विज्ञान की मान्यताओं के अनुरूप सर्वनाम पदबंध को संज्ञा पदबंध के रूप में ही चिह्नित करते हैं। किंतु गत वर्ष के प्रश्न-पत्रों में सर्वनाम पदबंध का स्वतंत्र अस्तित्व दृष्टिगत हुआ है। अत: इसे ध्यान में रखकर यहाँ सर्वनाम पदबंध का वर्णन किया गया है।

3. विशेषण पदबंध

संज्ञा पदबंध की रचना पर ध्यान दीजिए, संज्ञा पदबंध में से यदि 'संज्ञा पद' को हटा दें तो जो शेष बचता है वह 'विशेषण पद' होता है। जैसे–**छोटा बच्चा** बहुत बीमार है' वाक्य में 'छोटा बच्चा' संज्ञा पदबंध है। इसमें से यदि 'बच्चा' संज्ञा पद को हटा देते हैं तो 'छोटा' विशेषण पद शेष रह जाता है।

इस तरह–

वाक्य में संज्ञा य सर्वनाम पदों की विशेषता जब अकेला एक विशेषण पद बताता है तब वह **विशेषण पद** कहलाता है, लेकिन जब यही कार्य 'विशेषणों के समूह या बंध' द्वारा किया जाता है तो उस पदबंध को **विशेषण पदबंध** कहते हैं; जैसे–

रेखांकित पद–'विशेषण पद'	रेखांकित पदबंध–'विशेषण पदबंध'
1. मेरा बेटा कल आ रहा है।	1. मेरा छोटा बेटा कल आ रहा है।
2. दीपा एक डॉक्टर है।	2. दीपा एक मशहूर डॉक्टर है।
3. मैंने एक कार खरीदी।	3. मैंने एक नई कार खरीदी।

अत: विशेषण पदबंध भी वाक्य में वही कार्य करते हैं जो कार्य अकेला 'विशेषण पद' करता है।

4. क्रिया पदबंध

कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया' (काल, पक्ष, वृत्ति, वाच्य, लिंग, वचन आदि) के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह 'मुख्य क्रिया' तथा 'सहायक क्रिया' से युक्त पूरी रचना को **क्रिया पदबंध** ही कहते हैं। अत: वाक्य में प्रयुक्त 'क्रिया' सदैव पदबंध के रूप में ही होती है। देखिए, क्रिया पदबंध के कुछ उदाहरण–

1. बच्चे मैदान में दौड़ रहे हैं।
2. मैं रोज़ फ़िल्म देखने जाया करता था।
3. माता जी से खाना नहीं बनाया जाता।
4. वह अकसर फ़ोन कर लिया करती है।
5. वह नौकर से कपड़े धुलवा रही है।
6. आप वहाँ जाकर बैठिए।

5. क्रियाविशेषण पदबंध

आप यह जानते हैं कि वाक्य में प्रयुक्त होकर 'क्रियाविशेषण पद' क्रिया की विशेषता बताने का कार्य करते हैं। यदि किसी अकेले 'क्रियाविशेषण पद' के स्थान पर एक से अधिक क्रियाविशेषण पद मिलकर 'पदबंध' के रूप में आते हैं और क्रिया की विशेषता बताने का कार्य करते हैं तो उस पदबंध को **क्रियाविशेषण पदबंध** कहा जाता है।

अत: **वह 'पदबंध' जो 'क्रियाविशेषण पद' के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक 'क्रियाविशेषण पद' कर रहा था तब उस पदबंध को 'क्रियाविशेषण पदबंध' कहते हैं।**

देखिए उदाहरण–

रेखांकित पद–'क्रियाविशेषण पद'	रेखांकित पदबंध–'क्रियाविशेषण पदबंध'
1. वह धीरे लिख रही है।	1. वह बहुत धीरे लिख रही है।
2. मैं कल पहुँचूँगा।	2. मैं कल चार बजे पहुँचूँगा।
3. सब लोग मंदिर गए हैं।	3. सब लोग पुराने गणेश मंदिर गए हैं।
4. दावत में उसने बहुत खाया।	4. दावत में उसने बहुत ज़्यादा खाया।

ध्यान देने योग्य बातें

- वाक्य में प्रयुक्त शब्द इसलिए 'पद' कहलाते हैं क्योंकि वे वाक्य में जाकर कोई-न-कोई प्रकार्य करते हैं।
- वाक्य के किसी एक पद के स्थान पर यदि एक से अधिक पदों का समूह वही कार्य करे जो अकेला एक पद कर रहा था तो पदों के ऐसे समूह को 'पदबंध' कहते हैं।
- पदों का ऐसा बंध या समूह जो वाक्य में 'संज्ञा पद' के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक 'संज्ञा पद' कर रहा था तो 'पदों के उस 'बंध' को 'संज्ञा पदबंध' कहते हैं।
- संज्ञा पदबंध की रचना विशेषण पदों के योग से होती है।
- जो पदबंध वाक्य में सर्वनाम पद का प्रकार्य करते हैं, उन्हें सर्वनाम पदबंध कहते हैं।
- पदों का ऐसा बंध जो किसी विशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो उस अकेले विशेषण पद द्वारा किया जा रहा था तो उसे 'विशेषण पदबंध' कहते हैं।
- वाक्य में प्रयुक्त क्रिया हमेशा 'पदबंध' के रूप में ही होती है, अतः उसे 'क्रिया पदबंध' ही कहा जाता है।
- क्रियाविशेषण पद को जो पदबंध स्थानापन्न करके उसी कार्य को करता है,जिसे अकेला 'क्रियाविशेषण पद' कर रहा था तो उसे 'क्रियाविशेषण पदबंध' कहते हैं।

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित वाक्यों में मोटे छपे पदबंधों के भेद बताइए।

1. नरेश रोज़ मंदिर **जाता रहता है।**
   (क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध
2. नैना **पढ़कर सो गई है।**
   (क) क्रिया पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध
3. कोरोना महामारी के कारण **सरकार ने देशभर के गरीबों** को राशन की सुविधा प्रदान की है।
   (क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध (ग) सर्वनाम पदबंध (घ) इनमें से कोई नहीं
4. **बड़ी-बड़ी बातें करने वाले विद्यार्थी** कभी सफल नहीं हो सकते।
   (क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
   (ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

5. **बार-बार चली जाने वाली** बिजली ने सबको परेशान कर दिया।
   (क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध
6. हमारे क्षेत्र में आजकल चोरी की घटनाएँ **बढ़ती जा रही हैं।**
   (क) क्रिया पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
   (ग) विशेषण पदबंध (घ) इनमें से कोई नहीं
7. वह **पुरस्कार में मिली पुस्तक** लेकर आया।
   (क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध
8. **तताँरा की तलवार** एक विलक्षण रहस्य थी।
   (क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध
9. **प्रतिदिन की भाँति वह** काम पर चला गया।
   (क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
   (ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध
10. **भूरी आँखों वाली** लड़की सुंदर है।
    (क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) संज्ञा पदबंध (घ) इनमें से कोई नहीं
11. वामीरो **द्वीप के दूसरी तरफ़** बढ़ा जा रहा था।
    (क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध
12. **चुप रहने वाले पिता जी** आखिर क्यों बड़बड़ा रहे हैं?
    (क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
    (ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध
13. रेलगाड़ी से **ऊँघते हुए चेहरे** बाहर झाँके।
    (क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध
14. माही को प्यास **लग रही है।**
    (क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध
15. **गंदे कपड़ों वाला मज़दूर** चिल्लाने लगा।
    (क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध
16. नदी **कल-कल करती हुई** बह रही है।
    (क) क्रिया पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
    (ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध
17. युवक भर्ती के लिए **दौड़े चले जा रहे हैं।**
    (क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
    (ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

18. **भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी** बहुत ही प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

(क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

19. **बिना बताए तुम** क्यों चले गए?

(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

20. **बंगले के पीछे लगा** पेड़ गिर गया।

(क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर– 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (ग)
6. (क) 7. (क) 8. (क) 9. (ख) 10. (क)
11. (घ) 12. (क) 13. (ग) 14. (घ) 15. (ख)
16. (ख) 17. (ग) 18. (ग) 19. (घ) 20. (क)

2. निम्नलिखित <u>पाँच</u> भागों में से किन्हीं <u>चार</u> भागों के उत्तर दीजिए। [*S.P.* 2020-21]

1. 'तताँरा <u>बहुत</u> बलशाली भी था।' रेखांकित पद है–

(क) संज्ञा पद (ख) सर्वनाम पद (ग) विशेषण पद (घ) क्रिया पद

2. 'वे माँ से कहानी सुनते रहते हैं।' वाक्य में क्रिया पदबंध है–

(क) वे माँ से (ख) माँ से कहानी (ग) सुनते रहते हैं (घ) कहानी सुनते

3. <u>बँगले के पीछे लगा</u> पेड़ गिर गया। वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

4. वाक्य ..... से बनता है।

(क) स्वर (ख) व्यंजन (ग) शब्द (घ) पद

5. मैं <u>तेज़ी से दौड़ता हुआ</u> घर पहुँचा। रेखांकित में कौन-सा पदबंध है–

(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध

(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

उत्तर– 1. (ग) 2. (ग) 3. (ग) 4. (घ) 5. (क)

3. पद और पदबंध का अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. पदबंध के भेद-प्रभेदों के नाम लिखिए तथा प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

5. सही अथवा ग़लत के निशान लगाइए।

1. शब्द भाषा की स्वतंत्र इकाई है तथा उसकी सत्ता वाक्य से बाहर होती है। ☐
2. वाक्य में प्रयुक्त पद को शब्द भी कह सकते हैं। ☐
3. वाक्य में पदबंध भी वही प्रकार्य करते हैं जो प्रकार्य पदों के द्वारा किया जाता है। ☐

4. संज्ञा पदबंध की रचना प्रायः संज्ञा पद के साथ विशेषण पद के जोड़ने से होती है। ☐

5. क्रियाविशेषण पदबंध क्रिया की विशेषता बताता है। ☐

6. रेखांकित पदबंधों के नाम लिखिए।

1. झूठ बोलने वाले लोगों को दंड मिलना चाहिए। .....
2. तुम इतना धीरे-धीरे क्यों लिख रही हो? .....
3. बेचारा वह किसी से कुछ न कह पाया। .....
4. काली कमीज वाला लड़का चला गया। .....
5. परिश्रम से जी चुराने वाले बच्चों को कोई पसंद नहीं करता। .....
6. मंदिर के बाहर बहुत भीड़ इकट्ठी हो गई है। .....
7. सब लोग रात को दस बजे अपने-अपने घर चले गए थे। .....
8. मैंने जंगल में एक भयानक अजगर देखा। .....
9. माँ ने पके-पके पीले आम खरीदे। .....
10. हमेशा झूठ बोलने वाले तुम कभी नहीं सुधर सकते। .....
11. विदेशों में रहने वाले सभी भारतीय अकसर अपने देश को याद करते हैं। .....
12. मुझसे लकड़ी की बड़ी अलमारी की चाबी खो गई है। .....
13. झगड़ा करने वाले बच्चों को कोई पसंद नहीं करता है। .....
14. इतना मीठा पका हुआ आम मैंने कभी नहीं खाया। .....
15. मामा जी शादी में देशी घी की मिठाई लेकर पहुँचे। .....
16. सभी अपराधी आँखों में धूल झोंककर भाग गए। .....
17. मैंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा की है। .....
18. हम लोग इतने दिनों के बाद मिले हैं। .....
19. वह क्यों इतना अधिक सोता है? .....
20. मुझे बहुत ज़ोर-से भूख लग रही है। .....
21. गरीबों के मसीहा आप कितने महान हैं। .....
22. आप आज शाम को मेरे घर आने का कष्ट करें। .....
23. इन सड़े हुए संतरों को कूड़े में फेंक दो। .....
24. हमारा दफ़्तर जंतर-मंतर के पास है। .....

7. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार रेखांकित उपवाक्यों को पदबंधों में बदलिए।

उदाहरण: जो सच बोलता है उसे सब प्यार करते हैं।

सच बोलने वाले को सब प्यार करते हैं।

1. जिस लड़के ने परिश्रम किया उसे सफलता मिली। .....
2. जो लोग मंदिर गए थे वे अभी तक नहीं लौटे। .....
3. जो दूध लेकर आया है वह मेरा भाई है। .....
4. जो भीख माँगते हैं उन्हें ऐसा करने से रोकिए। .....
5. जिसे अपने देश से प्यार है वह यह झंडा उठाए। .....
6. जिस डॉक्टर ने पिता जी का इलाज किया वह खुद बीमार हो गए हैं। .....

❑❑❑